

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा
उत्तराखण्ड, देहरादून।

मा0 शिक्षा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक 18 मार्च, 2011

विषय:- योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं जड़ी-बूटियों से सम्बन्धित शिक्षा को राज्य के विद्यालयी शैक्षिक संस्थाओं के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: पा0पु0/91265/नौ-II(40)/दिनांक 14 मार्च, 2011 के संदर्भ में राज्य के विद्यालयी शैक्षिक संस्थाओं के पाठ्यक्रम में योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं जड़ी-बूटियों से सम्बन्धित पाठ्यक्रम की प्रति संलग्न करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त पाठ्यक्रम को विद्यालयी शैक्षिक संस्थाओं के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किये जाने हेतु अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, एवं कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत करा दिया जाय।

संलग्नक:-उपरोक्त।

भवदीया,
(मनीषा पंवार)
सचिव।

संख्या-103 (1)/xxiv-5/2011, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 2- निजी सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 3- निजी सचिव, शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 4- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, कुमाऊँ/गढ़वाल।
- 5- सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल।
- 6- निदेशक, आयुर्वेद एवं यूनानी सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., उत्तराखण्ड नरेन्द्रनगर, टिहरी गढ़वाल।
- 8- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(कवीन्द्र सिंह)
अनुसूचिव।